(b) Though there has been an increase in the consumption of fertilizers in the country as a whole during 1970-71 over 1969-70, there has been a decline or only a marginal increase in the consumption of fertilizers in some States. The Government have studied the reasons for this tardy rate of growth of consumption in these States. The following are found to be the main reasons for this low level of consumption :

(i) Natural causes such as cyclones and floods in some States;

(ii) Constraints in the availability of credit for fertilizer distribution and use;

(iii) gaps in extension and promotional efforts aimed at increased use of fertilizers.

The Government are seized of the problem and are taking various steps to step up fertilizer consumption in these States. They have recently set up a Credit Guarantee Corporation to encourage commercial banks to provide greater credit facilities to farmers and dealers of fertilizers. The State Governments have also been urged to ensure the availability of production credit to farmers in large measure through cooperatives. The Government of India are also continuing to give short-them loans to the States for stocking and distribution of fertilizers. The distribution system was liberalised by replacing licensing by a simpler and quicker method of registration. Besides, the Central Fertilizer Pool is maintaining buffer stocks in various States where the distribution system is not efficient and transport infrastructure is weak. The Pool also liberalised distribution arrangements by making direct supplies to cooperatives, Zilla parishads and even private dealers.

As regards extension, two important schemes having a direct bearing on fertilizer consumption are in operation viz., (a) national demonstrations and (b) farmers' training programme under which latest technology including optimum and balanced use of fertilizers is sought to be extended to farmers. These have to be intensified. The Government are also considering a scheme to mount a massive and effective campaign for increasing balanced use of fertilizers. This would supplement the promotional measures undertaken by the State Governments and manufactures.

Increase in influx of refugees from Bangla Desh

5632. SHRI P. GANGADEB :
SHRI NIHAR LASKAR :

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) whether on the 24th June, 1971, about 50,000 Bangla Desh evacuees arrived at Boyna about 21 kilometers from Bongaon;

(b) whether influx of refugees has again increased; and

(c) if so, the number that has entered after the 20th June uptil now ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R.K. KHADILKAR : (a) No, Sir.

(b) The rate of influx has not increased since 24th June last.

(c) 1,25,979 evacuees entered Bongaon Sub-division during the period from 20th June to the middle of July, 1971.

कोयला खानों में कोयले का उत्पादन

5633. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में कुल कितनी कोयला खानें हैं ;

(ख) इन खानों में कितने श्रमिक कार्य कर रहे हैं ;

(ग) वित्तीय वर्ष 1968-69, 1969-70 और 1970-71 में देश में कोयले का कुल कितना उत्पादन हुआ ; और

(घ) वित्तीय वर्ष 1971-72 में देश में कोयले का अनुमानित कितना उत्पादन होगा ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) : (क) खान सुरक्षा के महानिदेशक की रिपोर्टानुसार लगभग 773 ।

(ख) लगभग 3,71,300 (1970 के दौरान औसतन दैनिक नियोजन) ।

(ग) कोयला उत्पादन निम्नलिखित प्रकार से था :—

(i)	1968-69	714.00 लाख टन
(ii)	1969-70	757.10 लाख टन
(iii)	1970-71	707.50 लाख टन (अनंतिम)

(घ) लगभग 660.00 लाख टन (अनुमानित) ।

पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय औद्योगिक उपक्रमों में हड़तालें और श्रम-दिवसों की हानि

5634. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश स्थित केन्द्रीय औद्योगिक उपक्रमों के कर्मचारियों और श्रमिकों ने 1 जनवरी, 1968 से लेकर अब तक कुल कितनी हड़तालें राज्यवार की हैं; और

(ख) उसके परिणामस्वरूप उक्त अवधि में राज्यवार कितने श्रम दिवसों की हानि हुई और सरकारी क्षेत्र के उद्योगों को कितनी हानि हुई है ?

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर० के० खाडिलकर) : (क) और (ख). सूचना एकत्र की जा रही है और प्राप्त होने पर सदन की मेज पर रख दी जाएगी ।

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के उत्पादन में कमी

5635. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जनवरी, 1971 की तुलना में मार्च तथा अप्रैल, 1971 में दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के उत्पादन में कमी हो गई है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए कि उक्त संयंत्र के उत्पादन में कमी नहीं होगी, सरकार का विचार क्या कार्यवाही करने का है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खान) : (क) . जी, हां। जनवरी 1971 में 74,800 टन इस्पात पिण्ड के उत्पादन की तुलना में मार्च 1971 में इस्पात पिण्ड का उत्पादन 58,100 टन तथा अप्रैल 1971 में 60,500 टन हुआ ।

(ख) फरवरी 1971 में कामबन्दी की लगातार वारदातों (अर्थात् 8 फरवरी से 14 फरवरी 1971 तक धमन भट्टी में हड़ताल, 19-2-71 को भट्टियों में अचानक हड़ताल, 22-2-71 को बंगाल बंद, 24-2-71 को 24 घन्टे की टूल डाउन हड़ताल) ने प्रबन्धक वर्ग को इस बात के लिए विवश कर दिया कि वे मार्च के पहले तीन हफ्तों में उत्पादन की व्यवस्था इस प्रकार करें कि ऐसी स्थिति में जिसका पहले से आभास न हो में कारखाने के महत्वपूर्ण मशीनरी तथा उपकरणों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े । ब्लूमिंग मिल के बन्द हो जाने तथा 31-3-71 को बंगाल बंद से उत्पादन में